पाठ : २६

पानी रे पानी

तुम्हारे आस-पास

अपने आस-पास के बड़ों से पूछकर पता लगाओ -

१: तुम्हारे घर में पानी कहाँ से आता है?

उत्तर) हमारे घर में पानी "जल बोर्ड" की सप्लाई से आता है।

२: तुम्हारे घर का मैला पानी बहकर कहाँ जाता है।

उत्तर) हमारे घर का मैला पानी बहकर नालों एवं सीवर में जाता है।

३) अ) तुम्हारे इलाके में धरती के अंदर का पानी कितने फीट या कितने हाथ नीचे है?

उत्तर) हमारे इलाके में धरती के अंदर का पानी लगभग ८०-१०० फीट नीचे है।

आ) आज से पंद्रह वर्ष पहले यह पानी कितना नीचे था?

उत्तर) आज से पंद्रह वर्ष पहले यह पानी २०-२५ फीट नीचे था।

अनुमान लगाओ

पाठ के आधार पर बताओ

१) अपने घर के नल के पाईप में मोटर लगवाना दूसरे का हक छीनने के बराबर है। लेखक ऐसा क्यों मानते हैं?

उत्तर मोटर लगवाने वाले को पर्याप्त पानी मिल जाता है जबकि मोटर नहीं लगवाने वाले लोगों को पानी नहीं मिलपाता है, क्योंकि उनका ही पानी खिंचकर मोटर लगवाने वाले लोगों के पास आता है

२) बड़ी संख्या में इमारतें बनने से बाढ़ और अकाल का खतरा कैसे पैदा होता है?

उत्तर जमीन पर बड़ी संख्या में इमारते बनने से बाढ़ की और अकाल की खतरा ~~इसलिए~~ इसलिये पैदा होता है, क्योंकि इमारते बनने से जमीन कम हो रही है जिससे तालाब, नदियाँ आदि कम हो रहे हैं जिससे बर्षा भी कम हो रही है, और इस वजह से गर्मी में अकाल और बरसात के मौसम में बाढ़ आते हैं।

३) ~~धरती~~ धरती की गुल्लक किन किन साधनों से भरती है?

उत्तर) हमारे गाँव में, शहर में जो छोटे-बड़े तालाब, झील आदि हैं वे धरती की गुल्लक भरने का काम करते हैं। इनमें जमा पानी जमीन के नीचे छिपे जल भंडार में धीरे-धीरे रिसकर, छनकर जा मिलता है।

यदि हाँ तो

प्रश्न२) क्या तुम्हारे इलाके मे कभी बाढ़ आई है? यदि हाँ, तो उसके बारे मे लिखो।

उत्तर हाँ, हमारे इलाके मे बाढ़ आई थी। तब मेरा जन्म नहीं हुआ था। माता-पिता बताते है कि वह बहुत भयंकर बाढ़ थी। सारी बस्तियाँ पानी मे डूब रही थी। हजारों लोग बेघर हो गए थे, लोग खाने के लिए तरस रहे थे। छतों पर हेलीकॉप्टर से खाने के पैकेट गिराए जा रहे थे। जो की पर्याप्त नहीं थे। बच्चे और बूढों की हालत काफी बदतर थी।

प्रश्न२) क्या तुम्हारे घर में पानी कुछ देर के लिए आता है, यदि हाँ, तो बताओ कि कैसे तुम्हारे परिवार की दिनचर्या नल के पानी आने के साथ बंधी होती है?

उत्तर हाँ, हमारे घर मे पानी कुछ ही घंटों के लिए रहता है। इसलिए हमारे घर की दिनचर्या

पानी आने के साथ शुरु हो जाती है। पानी हर रोज सुबह ७:०० मे आता है और करीब दो घंटे रहता है। नहाना, कपड़े धोना आदि पानी की सहायता से किए जाने वाले काम इन्हीं दो घण्टों मे करने होते हैं।

प्रश्न३) क्या तुम्हारे महोल्ले रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने के लिए लोगो को पानी खरीदना पडता है? यदि हाँ, तो बताओ कि तुम्हारे घर मे रोज औसतन कितने लीटर पानी खरीदा जाता है? इस पर कितना खर्चा होता है?

उत्तर हाँ, मेरे महोल्ले मे रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने के लिए लोगों को पानी खरीदना पडता है। स्वंय मेरे घर में रोज औसतन ३० लीटर पानी खरीदा जाता है। इसपर ₹६० खर्च होते हैं।

संकट क्यों

प्रश्न पाठ में पानी के संकट के किस प्रमुख कारण की बात की गई है?

उत्तर नदी, नालो तथा तालाबों को कचरे से पाटकर, भरकर समतल बनादेना पानी के संकट का प्रमुख कारण है।

प्रश्न२) पानी की बचत करने के लिए तुम क्या- क्या उपाय कर सकते हो?

उत्तर हम पानी की बचत के लिए निम्नलिखित उपाय कर सकते हैं -

१) नल को कसकर बंद करे, उसे टपकने न दें।
२) रसोई आदि के गंदे पानी को बागीचे मे डालें।
३) गमले आदि मे लगाए पौधों को सुबह ही पानी दे।
४) बाथ टब और शॉवर की जगह बाल्टीन से नहाए।

प्रश्न ३) जितना उपलब्ध है, उससे कहीं ज्यादा खर्च करने से पानी का संकट उत्पन्न होता है। क्या यही बात हम बिजली के संकट के बारे में भी कह सकते हैं?

उत्तर हाँ, यही बात हम बिजली के संकट के बारे मे भी कह सकते है। हमें बिजली को सावधानीपूर्वक खर्च करना चाहिए। यदि खर्चा उपलब्धता से अधिक होगा तो जाहिर है, संकट पैदा होगा ही।

पानी का चक्कर - भाषा का चक्कर

प्रश्न४) पानी की ~~सम्सया~~ समस्या या बचत से

~~संबिंध~~ सम्बंधित पोसटर और नारे तैयार करो।

उत्तर)

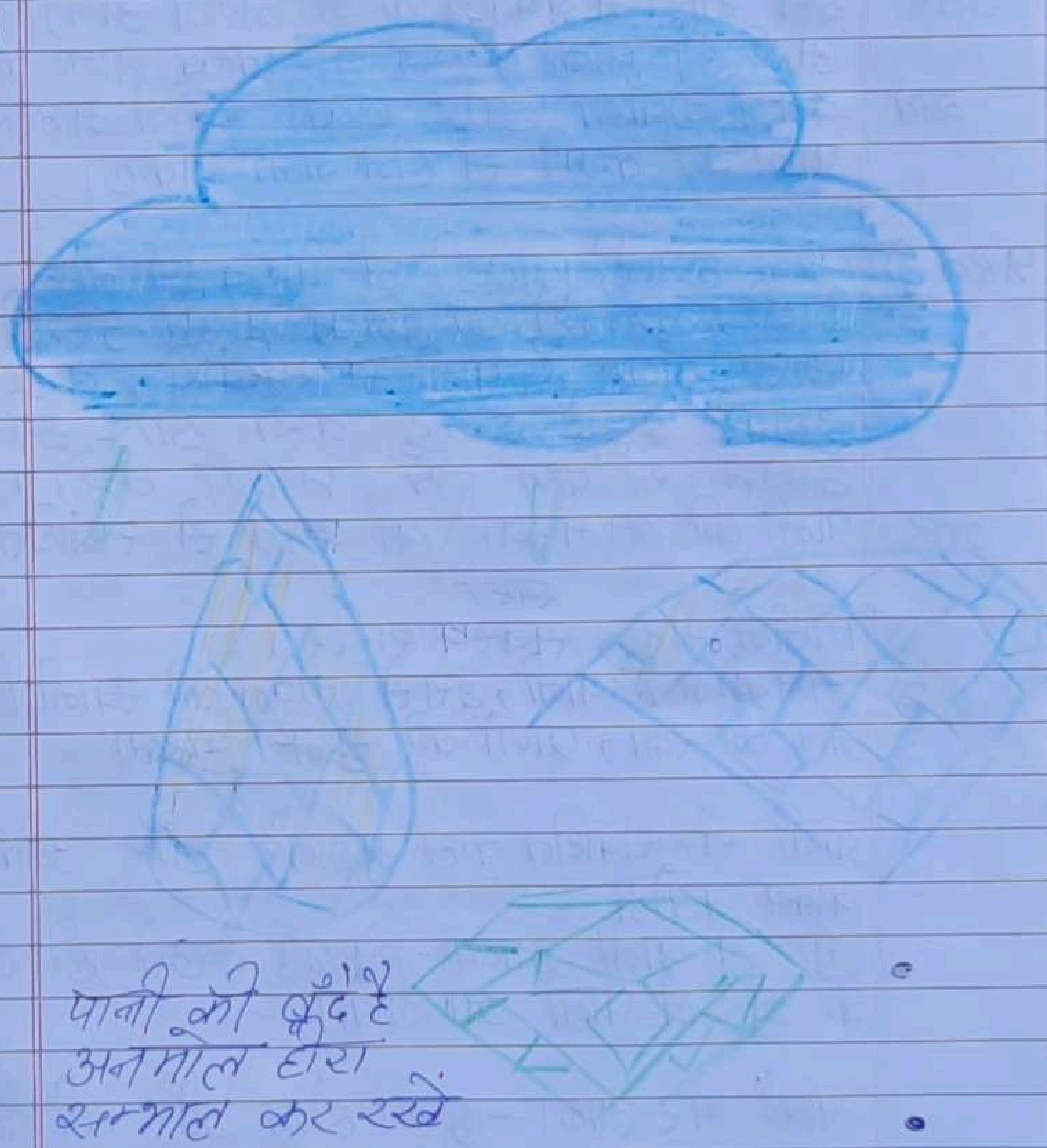

प्रश्न २) "पानी की बर्बादी, सबकी बर्बादी" इस नारे में बर्बादी शब्द का एक अर्थ है या दो अलग अर्थ हैं। सोचो।

उत्तर इस नारे में बर्बादी के दो अलग अलग अर्थ हैं। पानी की बर्बादी मतलब पानी को व्यर्थ गवाँना और सबकी बर्बादी मतलब पानी की कमी से होने वाला संकट।

प्रश्न ३) पानी हमारी ज़िंदगी में महत्वपूर्ण तो है ही, मुहावरों की दुनिया में भी उसकी खास जगह है। पानी से संबंधित कुछ मुहावरे इकट्ठे करो और उनका उचित संदर्भ में प्रयोग करो।

उत्तर पानी की समस्या या बचत से संबंधित नारे-

1) निर्मल नीर, स्वस्थ शरीर।
2) अनमोल है पानी, इससे जीवन की रवानी।
3) जल की रक्षा, प्राणों की सुरक्षा।

पानी से संबंधित कुछ मुहावरे और उनका वाक्य प्रयोग

- मुँह में पानी आना - मिठाई देखते ही राम के मुँह में पानी आ गया।

- आँखें भर आना - दुखी होना और रो देना

वाक्य: परीक्षा में कम अंक प्राप्त होने पर मेरी आँखे भर आई।

पानी-पानी होना = शर्मिंदा होना
वाक्य : कम अंक आने पर मैं पानी-पानी हो गया। घर पर कैसे बताऊँगा।

मेहनत पर पानी पड़ना : मेहनत व्यर्थ होना
वाक्य: बेवक्त बारिश होने के कारण किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया और फसल बर्बाद हो गई।

4 बूँद-बूँद है अनमोल
धन से इसे न तोल

हीरे सम बूँदों से
भरे धरती की गुल्लक
चहक के महक उठे धरा
खिल के चमक उठे फसल

5 जीवन के रंग
पानी के संग

पानी जीवन का आधार
प्रकृति का यह पालनहार

नदी निकलती कैलाश कुडं

पाठ : १७ ग्लेशियर ग्लेशियर

छोटी सी हमारी नदी

तुम्हारी नदी

प्रश्न १) तुम्हारी देखी हुई नदी भी ऐसी ही है या कुछ अलग है? अपनी परिचित नदी के बारे में छुटी हुई जगह पर लिखो -

उत्तर ~~छोटी~~ सी हमारी नदी, तेज़ इसकी धार गर्मियों में इसके पानी में घुसकर जाते पार

प्रश्न २) कविता में दी गई बातों के आधार पर अपनी परिचित नदी के बारे में बताओ -

धार, पाट, बालू, कीचड़, किनारे, बरसात में नदी

उत्तर धार : हमारी परिचित नदी की धार कुछ धीमी हो गई है।

पाट : हमारी परिचित नदी की पाट समतल है।

बालू : हमारी परिचित नदी के किनारे पर बालू है।

कीचड़ : इस नदी के किनारे पर कीचड़ और रेत भी है।

बरसात में नदी : बरसात में इस नदी का पानी अधिक भर जाता है। यह नदी तब भयावह रूप ले लेती है

प्रश्न ३) तुम्हारी परिचित नदी के आगे पाछे क्या-क्या है?

उत्तर हमारी परिचित नदी के किनारे बहुत से आम के पेड़, कंकड़, कीचड़ और मिट्टी है। लोग पूजा-पाठ करते है। बच्चे यहाँ नहाते है।

प्रश्न ४) जहाँ तुम रहते हो, उसके आस-पास कौन-कौन सी नदियाँ है? वे कहाँ से निकलती है और कहाँ तक जाती है? पता करो।

उत्तर हमारे आस-पास गंगा और यमुना नामक दो नदियाँ है। यह हिमालय पर्वत से निकलकर समुद्र में जा मिलती है।

कविता के बाहर

प्रश्न १) इस किताब में नदी का ज़िक्र और किस पाठ में हुआ है? नदी के बारे में क्या लिखा है?

उत्तर इस किताब में नदी का ज़िक्र

classmate

Page 44

*उसके

पाठ: "नदी का सफर" और "पाठ पानी रे पानी" मे हुआ है। नदी का सफर पाठ मे नदी के उद्गम, मुहाने, जलप्रपात, उसके मार्ग, गति तथा उससे होने वाली घटनाओ का वर्णन किया गया है।

पानी रे पानी पाठ मे जलचक्र, पानी (ज्यादा) होने से परेशानियाँ, और धरती की गुल्लक का वर्णन किया गया है।

प्रश्न 2) नदी पर कोई कविता खोजकर पढो और कक्षा मे सुनाओ?

उत्तर)

बहता जल

नदी का जल
बहता कलकल
है ये बिल्कुल स्वच्छ और निर्मल
बच्चे नहाते इसमे हर पल
कही उछलकर
कही मचलकर
बहती रहता है समतल
नदी का जल, नदी का जल

classmate

Page 45

प्रश्न 3) नदी मे नहाने के बारे मे तुम्हारा क्या अनुभव है?

उत्तर) नदी मे नहाने से अलग ही ताजगी मिलती है। नदी मे नहाकर हर प्रकार की थकावट मिट जाती है और शरीर मे अलग ही चुस्ती और फुर्ती आ जाती है।

प्रश्न 4) क्या तुमने कभी मछली पकडी है। अपने अनुभव को साथियो के साथ बाँटो।

उत्तर नदी के किनारे हम घूमने गए थे। वहाँ हमने एक मछुआरे से काँटा लेकर मछलीपकड़ी। हमे मछली पकड़ना बहुत अच्छा लगा। लेकिन हमने मछली पकड़ने के बाद उसे वापिस नदी मे छोड दिया, मछुआरा मछली माँगता रहा पर हमने उसे नही दी, क्योंकि हमे उसे मारना नही चाहते थे।

प्रश्न 5) नदी की टेढी-मेढी धार यह किसकी तरह लगते है?

उत्तर) नदी की टेढी-मेढी धार ~~जलेबी~~ साँप की तरह लगती है।

प्रश्न २) किचपिच- किचपिच करती मैना?

उत्तर) किचपिच- किचपिच करती मैना- नन्ही सी चिड़िया जैसी ~~दिखती~~ लगती है।

प्रश्न ३) उछल- उछल के नदी मे नहाते कच्चे- बच्चे?

उत्तर उछल- उछल के नदी में नहाते कच्चे- बच्चे मेंढकों की तरह लगते है।

कविता और चित्र

प्रश्न-१) कविता से पहले ~~च्ह~~ पद को दुबारा पढ़ो। वर्णन पर ध्यान दो, इसे पढ़कर जो चित्र तुम्हारे मन मे उभरा उसे बनाओ। बताओ चित्र मे तुमने क्या- क्या दर्शाया?

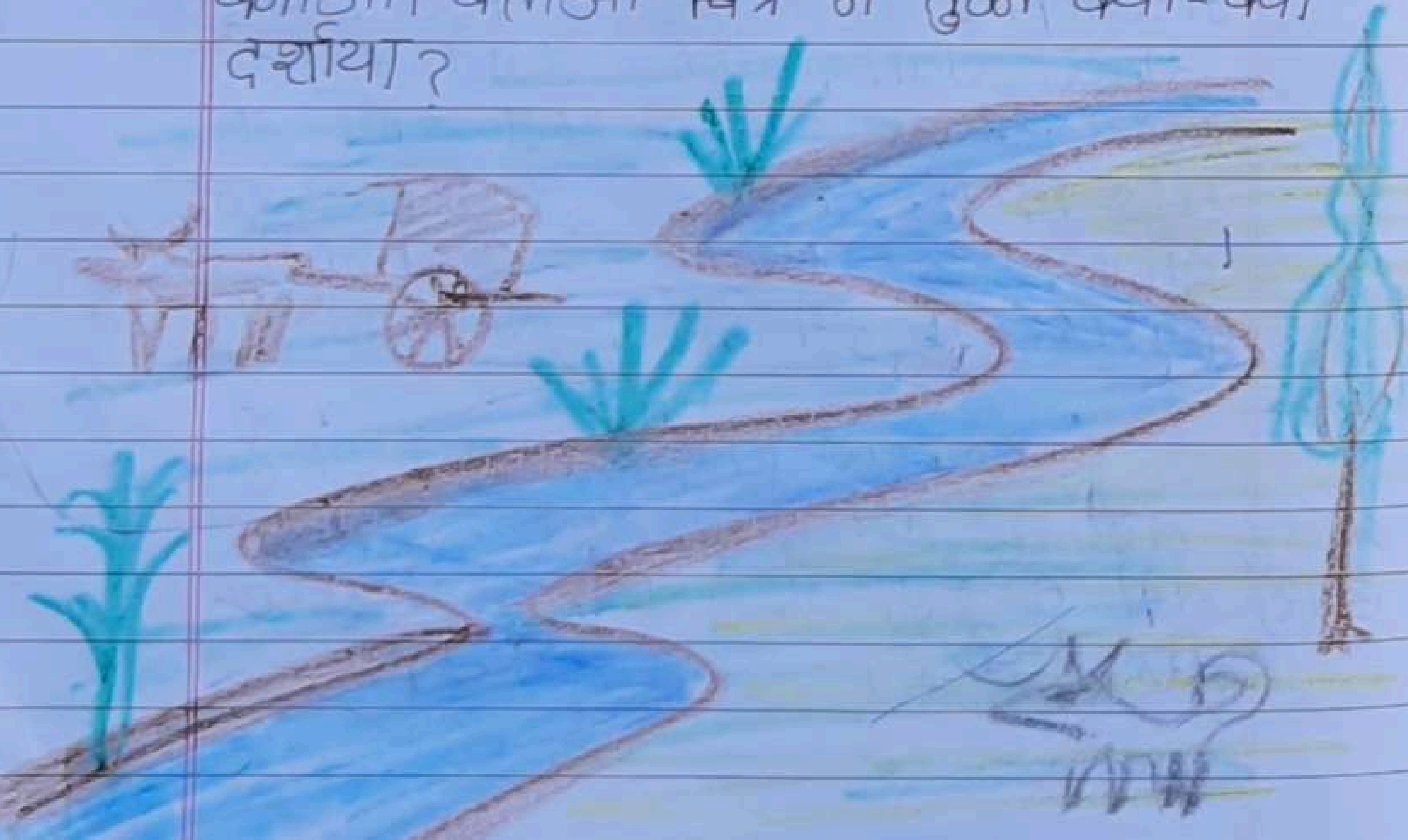

कविता से

प्रश्न१) इस कविता के पद में कौन-कौन से शब्द तुकाँत है? उन्हे छाँटो।

उत्तर इस कविता मे निम्नलिखित पद तुकाँत है-

= धार-पार
= चालु - ढालु
= नाम - धाम
= दार - सियार
= वन - सुघन
= ले - होले
= नहाना - छाना
= रेती - देती
= उतराती - दंनाती
= कोलाहल - चंचल
= रौला - टौला

प्रश्न २) किस शब्द से पता चलता है कि नदी के किनारे जानवर भी जाते थे?

उत्तर) 'पार जाते ढोर डंगर' से पता चलता है की नदी के किनारे जानवर भी जाते थे।

प्रश्न ३) इस नदी के तट की क्या खासियत है?

उत्तर) इस नदी की यह खासियत है कि इसके तट ऊँचे थे

प्रश्न-४) अमराई दूजे किनारे ...... चल देती कविता की ये पंक्तियाँ नदी किनारे की जीता- जागता वर्णन करती है। तुम भी निम्नलिखित मे से किसी एक का वर्णन अपने शब्दो मे करो:-

classmate
Date
Page 58

हफ्ते मे एक बार लगने वाला हाट:
हमारे घर से थोडी दूर हर मंगलवार के दिन बाजार लगता है इस बाजार मे हर घर की जरूरत के आधार पर चीजे मिलती है। खिलौने, खाने का सामान आदि। मै अपने मम्मी और पापा के साथ हर मंगलवार को वहाँ जाता हूँ। इससे बाजार लगाने वाले कई लोगो की ~~जीवन मे बढोत्तरी आती है~~ (जीविका बढोत्तरी चलती है)

प्रश्न ५) तेज गति शोर मोहल्ला धूप किनारा घना।

उत्तर तेज गति = वेग
शोर = रेला
मोहल्ला = टोली
धूप = घाम
किनारा = पाट
घना = सघन

दिनाँक: 11-02-22
दिन: शुक्रवार

चुनौती हिमालय की

classmate
Date
Page 59

वाद विवाद

प्रश्न१) [क] बर्फ से ढके चट्टानी पहाडो के उदास और फीके लगने की क्या वजह हो सक्ती थी?
उत्तर) बर्फ से ढके चट्टानी पहाडो के उदास और फीके लगने की यह वजह हो सकती है कि वहाँ बहुत ठंड की वजह से हरियाली और लोगो का आवागमन ~~आगमन~~ न के बराबर था और हर तरफ बर्फ ही बर्फ थी, हरियाली बर्फ से ढकी हुई थी।

[ख] बताओ, यह जगहे कब उदास और फीकी लगती है और कब यहाँ रौनक होती है?

घर: जब घर के सभी सदस्य आपस मे मिलझुलकर रहते है तो रौनक होती है। सब लोग जब एक दूसरे से बात न कर रहे हो या घर से बाहर हो तब घर उदास और फीका लगता है।

बाजार: बाजार लगने पर रौनक लगती है और बाजार समाप्त होने लगता है

, तो फीका लगता है।

स्कूल: जब स्कूल में बच्चे रहते हैं तो रौनक होती है। जब स्कूल में छुट्टी होती है तो स्कूल फीका लगता है।

खेत: खेतों में जब फसल लहलहाने लगती है और किसान उसमें काम कर रहे होते हैं, तो रौनक रहती है। खेत कट जाने पर फीके लगते हैं।

प्रश्न-2) "जवाहरलाल को इस कठिन यात्रा के लिए तैयार नहीं होना चाहिए",

इसकी सहमती या ~~असहमती~~ असहमति में के लिए तर्क दो।

उत्तर) हम इस कथन से सहमत हैं। वह एक ~~जिम्मेदार~~ जिम्मेदार व्यक्ति थे। भारत को उनकी बहुत आवश्यकता थी। इसके साथ ही रास्ता दुर्गम था। उनके पास इस रास्ते पर जाने के लिए ~~पर्यार्पत~~ पर्याप्त सामान नहीं था। इससे महत्वपूर्ण बात जवाहरलाल इस रास्ते पर चलने के अभ्यस्त नहीं थे। उन्हें इन सभी समस्याओं पर विचार करना

चाहिए था और तभी वहाँ जाना चाहिए था। अतः जवाहरलाल को इस ~~कठीन~~ कठिन यात्रा के लिए तैयार नहीं होना चाहिए था।

तुम्हारी समझ से

प्रश्न 2) इस वृत्तांत को पढ़ते-पढ़ते तुम्हें भी अपनी कोई लंबी या छोटी यात्रा याद आ रही हो तो उसके बारे में लिखो।

उत्तर) एक बार मैं हिमाचल प्रदेश की यात्रा पर गया था। शाम के समय मैं बस में बैठ गया, और सुबह जब मेरी आँख खुली तो मैंने हमारी गाड़ी को हिमाचल-प्रदेश की घुमावदार पहाड़ी रास्तों ~~से~~ पाया। वहाँ का रास्ता खतरनाक था। इन रास्तों ~~पर~~ में कहीं एक तरफ खाई थी, तो दूसरी तरफ पहाड़। ये बहुत ~~खतरनाक~~ भयंकर ~~भयानक~~ लग रहे थे। कई घुमावदार रास्तों से निकलकर हम गाँव की तरफ पहुँचे। इन पहाड़ों पर बस की गति धीमी होती है। हम सुबह अपने ~~मंतव्य~~ गंतव्य स्थान पर पहुँचे, जहाँ से ~~बर्फीली~~ बर्फीली चोटियाँ सूरज की रोशनी में सोने की तरह चमक रही थी।

classmate
Page 52

वह बहुत ही सुन्दर दृश्य था। इसको देखकर यात्रा की सारी थकावट मिट गई। (दूर हो गई)।

प्रश्न-2) जवाहरलाल को अमरनाथ तक का सफर अधूरा क्यों छोड़ना पड़ा?

उत्तर) जवाहरलाल को अमरनाथ तक का सफर अधूरा इसलिए छोड़ना पड़ा क्योंकि उनके पास आवश्यक सामान नहीं था।

प्रश्न-3) जवाहरलाल, किशन और कुली रस्सी से क्यों बंधे थे?

उत्तर जवाहलाल, किशन और कुली रस्सी से इसलिए बँधे हुए थे ताकि अगर वह पहाड़ी से गिर भी जाए तो रस्सी से लटकर बच सकें

प्रश्न-4) पाठ में नेहरू जी ने हिमालय से क्या चुनौती महसूस की?

उत्तर) कुछ लोग पर्वतारोहन शौक व मनोरंजन के लिए करते है और कुछ लोग इसे जीविका का साधन बनाते है। कुछ लोग इसे यश प्राप्ती के लिए और कुछ लोग इसे देश की सुरक्षा के लिए करते है।

प्राप्ति

classmate
Page 53

प्रश्न 5). ऐसे कौन से चुनौती भरे काम है जो तुम करना पसंद करोगे?

उत्तर) समय पर हर किसी की सहायता करना कुछ साहासिक कार्य करना आदि।

→ अन्य उत्तर ←

प्रश्न) पाठ मे नेहरू जी ने चुनौती महसूस की। कुछ लोग पर्वतारोहण क्यों करना चाहते है?

उत्तर कुछ लोग पर्वतारोहण शौक व मनोरंजन के लिये करते है। ऐसे स्थानो पर जाना उनके लिये चुनौती होता है। चुनौती को पूरा करना और पर्वत शिखरो को जीतना उनके जीवन का उदेश्य होता है।

कुछ लोगो के लिये यह आजीविका का साधन होता है।

प्र ऐसे कौन से चुनौती भरे काम है जो तुम करना पसंद करोगे?

उत्तर खेलो मे प्रथम आना, विद्यालय मे सबसे अधिक अंक प्राप्त करना मंगल ग्रह पर जाना।